The Hawk
16-2-2021

ICFRE signs MoU with Botanical Survey of India

DEHRADUN, FEB 15 (HTNS) A Memorandum of Understanding (MoU) was signed on Monday at ICFRE, Dehradun through Video Conferencing between Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun and Botanical Survey of India (BSI), Kolkata.

The MoU was signed by AS Rawat, Director General, ICFRE, Dehradun and Dr AA Mao, Director, BSI, Kolkata. The ICFRE is an autonomous council under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change. The ICFRE, through its institutes and centres located across the country is guiding, promoting and coordinating forestry research, extension, education at the national level. Currently, the ICFRE is focusing on contemporary issues of national and international importance particularly in the areas of climate change, forest productivity, biodiversity and skill development.

The MoU has been signed with the objectives to promote cooperation in the field of forestry research, exchange of scientists, technologists, research scholar, PG Students and implementation of collaborative research projects. Through this collaboration, ICFRE and BSI will complement each other by sharing their scientific and techaical expertise. This will help in identifying technological gaps, extension of forest based technologies, and exchange of resources for dissemination of information to stakeholders. This will also help in promoting livelihood opportunities and augment income of the forest based communities.

The MoU is expected to provide synergy in education, research and development for both the organizatiors and will ultimately aim to promote better economic and ecological security. Those present on the occasion were all Deputy Director Generals, Directors of ICFRE Institutes, Director (International Cooperation), Assistant Director Generals, and scientists from ICFRE, Dehradun and Heads of Regional Centres and Scientists of Botanical Survey of India, Kolkata.

The Himachal Times
16-2-2021

ICFRE Dehradun Signs MoU With Botanical Survey Of India Kolkata

Kolkata (The Hawk): A Memorandum of Understanding (MoU) was signed on 15th February, 2021 at ICFRE, Dehradun through Video Conferencing between Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun (an Autonomous Council under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change) and Botanical Survey of India (BSI), Kolkata. The MoU was signed by Sh. A.S. Rawat, Director General, ICFRE, Dehradun and Dr. A.A. Mao, Director, BSI, Kolkata. ICFRE, through its Institutes and Centers located across the country, is guiding, promoting and coordinating forestry research, extension, education at the national level. Currently ICFRE is focusing on contemporary issues of national and international importance particularly in the areas of climate change, forest productivity, biodiversity and skill development.

The MoU has been signed with the objectives to promote cooperation in the field of forestry research, exchange of scientists, technologists, research scholar, PG Students and implementation of collaborative research projects.

Through this collaboration, ICFRE and BSI will complement each other by sharing their scientific and technical expertise. This will help in identifying technological gaps, extension of forest based technologies, and exchange of resources for dissemination of information to stakeholders. This will also help to promote livelihood opportunities and augment income of the forest based communities. The MoU is expected to provide synergy in education, research and development for both the organizations and will ultimately aim to promote better economic and ecological security.

The occasion was graced by all Deputy Director Generals, Directors of ICFRE Institutes, Director (International Cooperation), Assistant Director Generals, and scientists from ICFRE, Dehradun and Head of Regional Centers and Scientists of Botanical Survey of India, Kolkata.

Shah Times

16-2-2021

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् व भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

देहरादून, संवाददाता। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद , देहरादून (पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद्) एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के मध्य वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

किये गए। इस समझौता ज्ञापन पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के महानिदेशक श्री अरूण सिंह रावत एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के निदेक डॉ ए. ए. माओ द्वारा हस्ताक्षर किये गए।

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून, देश भर में स्थित अपने संस्थानों और केंद्रों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, विस्तार, शिक्षा का मार्गदर्शन, प्रचार और समन्वय कर रहा है। वर्तमान में भा.वा.अ.शि.प. विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन, वन उत्पादकता, जैव विविधता और कौशल विकास के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। समझौता ज्ञापन पर वानिकी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान एवं संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्यों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं। इस सहयोग के माध्यम से भा.वा.अ.शि.प., देहरादून एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञताओं को साझा करके एक दूसरे के पूरक होंगे। इससे तकनीकी अंतराल की पहचान करने, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार, हितधारकों को सूचना के प्रसार के लिए संसाधनों के आदान-प्रदान में मदद मिलेगी। यह आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और वन आधारित समुदायों की आय बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए उद्योगों की सहायता करने में भी मदद करेगा।

दोनों संगठनों से संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों और केंद्रों के बीच अंतर-संस्थागत लिंक सहयोग को और मजबूत करेंगे। समझौता ज्ञापन से दोनों संगठनों के लिए शिक्षा, अनुसंधान और विकास में सहयोग मिलने की उम्मीद है और अंततः इसका लक्ष्य बेहतर आर्थिक और पारिस्थितिक सुरक्षा को बढ़ावा देना होगा।

इस अवसर पर भा.वा.अ.शि.प. के सभी उपमहानिदेशक, भा.वा.अ.पि के संस्थानो के सभी निदेशक, निदेक (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग), सभी सहा यक महानिदेशक और वैज्ञानिक एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोल काता के क्षेत्रीय केंद्रो के प्रमुख एवं अन्य वैज्ञानिको ने भाग लिया।

Garh Samvedna
16-2-2021

ICFRE देहरादून और BSI Kolkata के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

देहरादून, गढ़ संवेदना न्यूज। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून (पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद) एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के मध्य वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए। इस समझौता ज्ञापन पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के महानिदेशक अरुण सिंह रावत एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के निदेशक डॉ ए. ए. माओ द्वारा हस्ताक्षर किये गए। भा.वा.अ.शि.प., देहरादून, देश भर में स्थित अपने संस्थानों और केंद्रों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, विस्तार, शिक्षा का मार्गदर्शन, प्रचार और समन्वय कर रहा है। वर्तमान में भा.वा.अ.शि.प. विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन, वन उत्पादकता, जैव विविधता और कौशल विकास के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के समकालीन मुद्दांे पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। समझौता ज्ञापन पर वानिकी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान एवं संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्ेदश्यों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं। इस सहयोग के माध्यम से भा.वा.अ.शि.प., देहरादून एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञताओं को साझा करके एक दूसरे के पूरक होंगे। इससे तकनीकी अंतराल की पहचान करने, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार, हितधारकों को सूचना के प्रसार के लिए संसाधनों के आदान-प्रदान में मदद मिलेगी। यह आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और वन आधारित समुदायों की आय बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए उद्योगों की सहायता करने में भी मदद करेगा। दोनों संगठनों से संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों और केंद्रों के बीच अंतर-संस्थागत लिंक सहयोग को और मजबूत करेंगे। समझौता ज्ञापन से दोनों संगठनों के लिए शिक्षा, अनुसंधान और विकास में सहयोग मिलने की उम्मीद है और अंततः इसका लक्ष्य बेहतर आर्थिक और पारिस्थितिक सुरक्षा को बढ़ावा देना होगा। इस अवसर पर भा.वा.अ.शि.प. के सभी उपमहानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प के संस्थानो के सभी निदेशक, निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग), सभी सहायक महानिदेशक और वैज्ञानिक एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के क्षेत्रीय केंद्रो के प्रमुख एवं अन्य वैज्ञानिको ने भाग लिया।

- February 15, 2021

Rashtriya Sahara
16-2-2021

भारतीय वानिकी अनुसंधान और वनस्पति सर्वेक्षण कोलकाता साझा करेंगे जानकारी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

■ दोनों के मध्य हुआ समझौता, होगा वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञताओं का आदान-प्रदान

समझौता दस्तावेज का आदान प्रदान करते अधिकारी।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञताओं को साझा करके एक दूसरे के पूरक बनेगे। इससे तकनीकी अंतराल की पहचान करने, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार और हितधारकों को सूचना के प्रसार के लिए संसाधनों के आदान-प्रदान में काफी मदद मिलेगी।

यह जानकारी भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने दी । उन्होंने बताया कि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के मध्य वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण कोलकाता के निदेशक डा. एए माओ द्वारा हस्ताक्षर किये गए।

श्री रावत ने बताया कि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देशभर में स्थित अपने संस्थानों और केंद्रों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, विस्तार, शिक्षा का मार्गदर्शन, प्रचार और समन्वय कर रहा है। वर्तमान में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन, वन उत्पादकता, जैव विविधता और कौशल विकास के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। समझौता ज्ञापन पर वानिकी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान एवं संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देदयों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस सहयोग के माध्यम से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण कोलकाता वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञताओं को साझा करके एक दूसरे के पूरक होंगे। इससे तकनीकी अंतराल की पहचान करने, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार, हितधारकों को सूचना के प्रसार के लिए संसाधनों के आदान-प्रदान में मदद मिलेगी। यह आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और वन आधारित समुदायों की आय बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए उदेश्यों की सहायता करने में मदद करेगा। दोनों संगठनों से संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों और केंद्रों के बीच अंतर-संस्थागत लिंक सहयोग को और मजबूत करेंगे। समझौता ज्ञापन से दोनों संगठनों के लिए शिक्षा, अनुसंधान और विकास में सहयोग मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के सभी उपमहानिदेाक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के संस्थानो के सभी निदेशक, निदेशक अंतरराष्ट्रीय सहयोग, सभी सहायक महानिदेशक और वैज्ञानिक एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के वैज्ञानिक उपस्थित थे।